भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या- 297

दिनांक 16 मार्च, 2021 के लिए प्रश्न

जलकृषि का विकास और संवर्धन

***297. श्री रमेश चन्द्र माझी**

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में जलकृषि को बढ़ावा देने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश में जलकृषि के बेहतर विकास हेतु संकुलों को विकसित करने की कोई योजना बनाई गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

जलीय कृषि के विकास और संवर्धन के संबंध में श्री रमेश चन्द्र माझी, माननीय संसद सदस्य द्वारा दिनांक 16 मार्च, 2021 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *297 के उत्तर में निम्नलिखित विवरण

(क) से (घ): जी हां। मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय एक नई फ्लैगशिप योजना अर्थात "प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई.)" लागू कर रहा है जिसका मत्स्यपालन के क्षेत्र में अब तक का सबसे अधिक निवेश 20,050 करोड़ रुपये का है। यह योजना वित्त वर्ष 2020-21 से 5 वर्षों की अवधि के लिए लागू की जा रही है। प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई.) में अन्य बातों के साथ-साथ, विभिन्न गतिविधियों के लिए सहायता प्रदान की जाती है जिसका उद्देश्य क्षेत्र विस्तार, तीव्रीकरण, विविधीकरण, प्रौद्योगिकी समावेशन, तथा भूमि और पानी के उत्पादक उपयोग के माध्यम से देश में मीठे पानी, खारे पानी, ठण्डे पानी तथा लवणीय पानी में जलीय कृषि को बढ़ावा देना है। सजावटी मत्स्यपालन, समुद्री कृषि जिसके अन्तर्गत शैवाल कृषि भी सम्मिलित है, जैसी गतिविधियों के लिए भी प्राथमिकता दी जाती है। इसके अलावा, ब्रूड बैंकों तथा हैचरियों की स्थापना, तालाबों एवं रेसबे के निर्माण, प्रजातियों के विविधीकरण, आनुवंशिकी सुधार, मजबूत रोग प्रबंधन, पुनःसंचारी जलीय कृषि प्रणाली (आर.ए.एस.), बॉयोफ्लॉक और पिंजरा कृषि जैसी प्रौद्योगिकियो के माध्यम से जलीय कृषि में उत्पादन तथा उत्पादकता को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया गया है। पी.एम.एम.एस.वाई. का कलस्टर आधारित दृष्टिकोण के साथ फारवर्ड तथा बैकवर्ड लिंकेज, जहां संभव हो, अपेक्षित फासलों को भरना, परस्पर समन्वय स्थापित करना, मछली किसान उत्पादक संघ का गठन करना, जलीय कृषि की अनुकूल पद्धति, ट्रेसेबिलिटी, अभिनव प्रयोग, उद्यमी मॉडल आदि को बढ़ावा देना प्रमुख कार्यान्वयन रणनीति है।

*****